IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, September 2025
Impact Factor: 7.67

Hkkjr&ikd l?k"kZ % ,d jktuhfrd v/;;u

¼orZeku lanHkZ½

MkW- ¼Jherh½ 'kf'k f=ikBh
ik/;kid jktuhfr foKku
'kkldh; Bkdqj j.ker flag egkfo|ky;] jhok ¼e-iz-½

iwue fo'odekZ
'kks/kkFkhZ jktuhfr foKku
'kkldh; Bkdqj j.ker flag egkfo|ky;] jhok ¼e-iz-½

'kks/k lkjka'k &

भारत देश के लिए वर्तमान में सबसे बड़ी चुनौती अपने पड़ोसी देशों के बिगड़े तेवर सुधारने की है। एशिया महाद्वीप में ब्रिटिश उपनिवेशवाद की समाप्ति के साथ ही एक नवीन संघर्ष की शुरूआत हुई, जिसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में 'शांति' शब्द तो जैसे विलुप्त ही हो गया। यह संघर्ष है दो पड़ोसी देश पाकिस्तान में हो रही घटनाओं से चिंता में हैं। भारत हालांकि पड़ोसी देशों में तानाशाही और फौजी हुकूमत देखता आया है, परन्तु उसे उम्मीद थी कि भारत–पाक संबंधों में बढ़ता विवाद सुलझ जायेगा। लेकिन वर्तमान में दोनों देशों के मध्य स्थिति और बिगड़ती नजर आ रही है। भारत ने अनेकों बार इस विवाद को सुलझाने का प्रयास किया, परन्तु सिर्फ असफलता ही हाथ लगी। वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कई बार गंभीर तथा अथक प्रयायों के बावजूद भी भारत, पाकिस्तान के साथ अपने खराब रिश्तों को दोष रहित अथवा दुरुस्त कर पाने में नाकामयाब रहा है। इसके बजाय, भारत के विभिन्न प्रयासों की नाकामियों ने पाकिस्तान के साथ वार्ता करने और रिश्ते सुधारने को लेकर भारत के सुरक्षा तंत्र के नाउम्मीदी भरे नजरिये को ही मजबूती प्रदान की है। प्रस्तावित शोध पत्र का उद्देश्य भारत–पाक के मध्य चल रहे संघर्ष का अध्ययन करना है।

ewy 'kCn & भारत, पाक आतंकवाद, कूटनीति, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिसंतुलित।

vo/kkj.kkRed fo'ys"k.k[1] &

भारत एवं पाकिस्तान के मध्य संबंधों के शत्रुतापूर्ण होने का मूल कारण राष्ट्र निर्माण के तरीके में विद्यमान भिन्नता है। पाकिस्तान का निर्माण धार्मिक आधार पर हुआ है जबकि भारत का राष्ट्र निर्माण लोकतांत्रिक, पंथ निरपेक्ष, बहुलवादी राज्य के रूप में हुआ।[2] पाकिस्तान ने भारत के विभाजन को अपूर्ण मानते हुए यह कहा कि कश्मीर के बिना पाकिस्तान का निर्माण अधूरा है। पाकिस्तान ने भारत को प्रतिसंतुलित करने के लिए सदैव महाशक्तियों का सहारा लिया, क्योंकि पाकिस्तान को यह पता है कि वह अकेले भारत को प्रतिसंतुलित नहीं कर सकता।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, September 2025
Impact Factor: 7.67

''भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक 1947, 1965, 1971 तथा 1999 में चार सैनिक युद्ध हो चुके हैं लेकिन पाकिस्तान को किसी भी युद्ध में सफलता नहीं मिली। गत 78 वर्षों में पाकिस्तान की भूमि से संचालित तथा पाकिस्तानी तत्वों द्वारा समर्पित आतंकवाद दोनों देशों के मध्य एक प्रमुख समस्या बना हुआ है। भारत और पाकिस्तान के संबंध 21वीं सदी में जटिल परिस्थितियों से जूझ रहे हैं।''[3] आजादी के बाढ़ से ही जम्मू और कश्मीर में पाकिस्तान की साजिशों और सीमा पर उसकी हरकतों ने भारत के सुरक्षा तंत्र को उलझाकर रखा हुआ है। भारत ने पाकिस्तान की इस चुनौती से निर्णायक तरीके से निपटने के लिए, पारंपरिक सैन्य शक्ति में अपनी ज्यादा ताकत का इस्तेमाल किया है, हमने इसके नतीजे पहले 1965 और फिर 1971 के युद्धों में पाकिस्तान की हार के रूप में देखे हैं।[4] भारत–पाकिस्तान संघर्षों में शांति बहाली के लिए प्रमुख समझौते भी हुए, जो निम्न हैं –

¼1½ ftyk&ekmUVcVu okrk ¼1947½ %& पाकिस्तान के गवर्नर जनरल मुहम्मद अली जिन्ना और भारत के गवर्नर जनरल लुइस माउंटबेटन के बीच कश्मीर मसले पर नवम्बर, 1947 में वार्ता।

¼2½ djkph le>krk ¼1949½ %& दोनों देशों के सैन्य नेतृत्व के बीच 27 जुलाई, 1949 को सीजफायर समझौता।

¼3½ fy;kdr&ug: le>krk ¼1950½ %& दोनों देशों के बीच शरणार्थी, सम्पत्ति, अल्पसंख्यकों के अधिकार के मुद्दों पर समझौता।

¼4½ fl/k ty&lf/k ¼1960½ %& सिंधु और उसकी अन्य सहायक नदियों के जल बंटवारों को लेकर 19 सितम्बर 1960 को समझौता।

¼5½ rk'kdn le>krk ¼1966½ %& 1965 में भारत–पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच 10 जनवरी 1966 को शांति समझौता।

¼6½ f'keyk le>krk ¼1972½[5] %& 2 जुलाई, 1972 को भारत और पाकिस्तान के बीच शिमला में समझौता हुआ, जिसका उद्देश्य 1971 के युद्ध के बाद शांति स्थापित करना और संबंधों को सामान्य बनाना था।

¼7½ fnYyh le>krek ¼1973½[6] %& 28 अगस्त, 1973 को हुआ यह तीन देशों– भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच समझौता।

¼8½ bLykekckn le>krk ¼1988½ %& यह घोषणा–पत्र भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के द्वारा जारी किया गया।

¼9½ ykgkj ?kk"k.kk&i= ¼1999½[7] %& यह घोषणा–पत्र भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा पाकिस्तानी नवाज शरीफ के द्वारा जारी किया गया।

¼10½ vkxjk f'k[kj okrk ¼2001½ % & वर्ष 2001 में भारत ने पाकिस्तान के साथ संबंधों को सामान्य करने के लिए पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेश मुशर्रफ को भारत आमंत्रित किया। भारत एवं पाकिस्तान के मध्य पुनः वार्ता का दौर आगरा शिखर वार्ता के रूप में आरंभ हुआ।

¼11½ gokuk e l;Dr ?kk"k.kk&i= ¼flrEcj] 2006½ %& यह घोषणा–पत्र अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि मुम्बई बम विस्फोट के पश्चात् भारत–पाक के मध्य विदेश सचिव स्तर की वार्ता को स्थगित कर दिया गया था।[8]

13 दिसम्बर, 2001 को संसद भवन परिसर में आतंकी हमले से भारत एवं पाकिस्तान समर्थित लश्कर–ए–ताइबा व जैश–ए–मोहम्मद का हाथ होने के प्रमाण मिलने के बाद भारत ने पाकिस्तान के प्रति कड़ा रुख अपनाया। पाकिस्तान से संबंध सुधारने की दिशा में एक बार फिर अपनी ओर से पहल करते हुए 22 अक्टूबर, 2003 को भारत ने 12 सूत्रीय नये प्रस्तावों की

DOI: 10.48175/IJARSCT-28949

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, September 2025
Impact Factor: 7.67

घोषणा की।[9] पहले जहां पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन भारत के अहम शहरों में बहुत सारे लोगों को शिकार बनाने वाले आतंकवादी हमले– 2005 के दिल्ली सीरियल ब्लास्ट, 2006 के मुंबई ट्रेन धमाके, 2008 में मुंबई आतंकी हमला करते थे। उसके बाद पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन पंजाब और जम्मू कश्मीर में सीमा के करीब भारत के सुरक्षा बलों और उनके ठिकानों 2015 में गुरदासपुर, 2016 में पठानकोट और उरी, 2019 में पुलवामा को निशाना बनाने लगे।[10] अगस्त 2019 में, जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने के भारत के फैसले का पाकिस्तान के कड़ा विरोध किया था। 2021 में, भारत और पाकिस्तान ने नियंत्रण देखा (एलओसी) पर 2003 के युद्धविराम समझौते के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता की घोषणा की, जिससे सीमा पार हिंसा में कमी आई और स्थिरता की उम्मीदें बढ़ीं।

or'eku ifjn';[11] &

''कश्मीर के पहलगाम में हुई भीषण आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर सामने आ गया है। आतंकी हमला पाकिस्तान आर्मी चीफ की धमकी के कुछ ही दिनों बाद हुआ है। जनरल मुनीर ने भारत के कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था।[12] जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में मंगलवार को हुए भयावह आतंकवादी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। इस कायराना हमले में 17 लोग घायल भी हुए हैं। इस हमले के शिकार हुए अधिकतर लोग पर्यटक थे, जो अपने परिवारों के साथ 'मिनी स्विटजरलैंड' कहे जाने वाले बायसरन घूमने गए थे। 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद सबसे बड़ा हमला है।[13] आतंकवादियों ने पर्यटकों के नाम और धर्म पूछे और विशेष रूप से उन लोगों को निशाना बनाया जो हिन्दू थे। हमलावरों ने हिन्दू पुरुषों को मुस्लिम पुरुषों से अलग करने के बाद उन्हें मार डाला। कुछ पर्यटकों को कलमा की इस्लामी आयत सुनाने के लिए कहा गया, ताकि आतंकवादी उन्हें धर्म के आधार पर अलग कर सकें। आतंकवादियों ने कुछ हिन्दू महिलाओं से कहा कि उन्हें इसलिए बख्शा गया ताकि वे अपने पुरुषों की हत्या की भयावहता को भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बता सकें।[14] आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टी आर एफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। टीआरएफ, आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा का सहयोगी संगठन है। पाकिस्तान में बैठा शेख सज्जाद गुल टीआरएफ का प्रमुख है। टीआरएफ की कहानी 14 फरवरी 2019 को पुलवामा हमले के साथ ही शुरू होती है। कहा जाता है कि इस हमले से पहले ही इस आतंकी संगठन ने घाटी के अंदर अपने पैर पसारने शुरू कर दिये थे।[15]

22 अप्रैल पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने 6–7 मई की दरमियानी रात पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए।[16]

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में हुई भारतीय सैन्य कार्रवाई को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया है। इसके पीछे आमतौर पर यही वजह सामने आ रही है कि[17] लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद जैसे समूहों से जुड़े आतंकवादी ढाँचों को ध्वस्त करना था। ये हमले SCALP मिसाइलों से एवं HAMMER (बम) लैस राफेल विमानों के जरिए किए गए।[18]

,d d ckn ,d pj.kc) dkjokbZ &

1. 7 मई को पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ सटीक हमले किए गए।
2. 8 मई को पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी राज्यों में बड़े पैमानों पर ड्रोन से जवाबी कार्रवाई की।
3. 9 मई को भारत ने छह पाकिस्तानी सैन्य एयरबेस व यूएबी समन्वय केन्द्रों पर अतिरिक्त हमले किए।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, September 2025 Impact Factor: 7.67

4. 10 मई को गोलीबारी में अस्थायी रोक लगाई। भारत ने इसे युद्धविराम नहीं बल्कि फायरिंग का विराम बताया।[19]

ऑपरेशन सिंदूर, जो भारत की सैन्य क्षमता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और तकनीकी दक्षता का प्रत्यक्ष प्रमाण बना। यह केवल एक सैन्य प्रतिक्रिया नहीं थी, वह एक निर्णायक संदेश था, जिसे भारत ने दुनिया को सुनाया। इस अभियान के बाद भारत ने न केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी अपनी भूमिका को पुनः परिभाषित किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू कश्मीर और सीमावर्ती पाकिस्तान क्षेत्रों में धूल थोड़ी बहुत बैठ चुकी है, लेकिन यह मान लेना कि भारत का अशांत पड़ोसी देश अब सुधर जाएगा, नासमझी होगी। ऑपरेशन सिंदूर में जो सैन्य और मनोवैज्ञानिक आघात पाकिस्तान को मिला, वह शायद उसकी गतिविधियों को सीमित रखे, लेकिन यह कोई स्थायी समाधान नहीं है।

'kk/k d mnn'; &

1. भारत–पाक संघर्षों के मध्य भारत की कूटनीतिक सोच और रणनीतिक रवैये में आमूलचूल परिवर्तन का अध्ययन करना।
2. भारत के प्रति पाकिस्तान की आतंकवादी नीति, छंद युद्ध और धार्मिक उन्माद की विचारधारा का अध्ययन करना।
3. भारत–पाकिस्तान विवाद को कम करने तथा भारत की रणनीतियों, सतर्कता एवं कूटनीति में बदलाव के लिए सुझाव प्रस्तुत करना।

'kk/k dh i)fr/k &

प्रस्तावित शोध कार्य में द्वितीयक स्त्रोतों का उपयोग किया गया है। द्वितीयक स्त्रोतों में पुस्तकें, लेख, पूर्व में हुए शोध अध्ययन आदि का उपयोग किया गया है। प्रस्तावित शोध कार्य में इंटरनेट का भी उपयोग किया गया है। प्रस्तावित शोध–प्रबंध में भारत–पाक संबंधों, कूटनीतियों, रणनीतियों का अध्ययन किया गया है। पाकिस्तानी आतंकवादी नीतियों, धार्मिक उन्माद एवं भारत के प्रति आतंकवादी प्रवृत्तियों एवं विरोधी गतिविधियों का अध्ययन किया गया है। प्रस्तावित शोध कार्य में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धति द्वारा तथ्यों की निष्पक्षतापूर्ण व्याख्या प्रस्तुत की गई है।

fu"d"k &

पहलगाम हमला की प्रतिक्रिया में 'ऑपरेशन सिंदूर', जो भारत की सैन्य क्षमता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और तकनीकी दक्षता का प्रत्यक्ष प्रमाण बना, वह केवल एक सैन्य प्रतिक्रिया नहीं थी, वह एक निर्णायक संदेश था, जिसे भारत ने दुनिया को सुनाया। इस अभियान के बाद भारत ने न केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी अपनी भूमिका को पुनः परिभाषित किया। भारत अब 'स्वीकृति की तलाश' में रहने वाला देश नहीं रहा। भारत अब केवल यह नहीं चाहता कि उसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों में सराहा जाए, बल्कि वह आत्मनिर्भरता और आत्मबल पर आधारित एक ठोस विदेश नीति अपनाने को तैयार है। भारत–पाक संघर्षों के बाद से ही दोनों देशों ने एक–दूसरे के खिलाफ कूटनीतिक कदम उठाए हैं। इसमें भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है और पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। इस्लामाबाद यह भी दावा कर रहा है कि भारत कभी भी उनके देश पर हमला कर सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने संकेत दिए हैं कि उसका 'बदला' पूरा हो गया है। भारत ने इंटरनेशनल कम्युनिटी को यही संदेश दिया है कि वे तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है जबकि पाकिस्तान ने भारतीय हमले के खिलाफ 'जवाबी कार्रवाई की बात' कही है।

l>ko &

1. भारत को अपनी सतर्कता में किसी प्रकार की ढील नहीं देनी चाहिए।
2. भारत को भी अब समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान से शांति की अपेक्षा करना आत्मवंचना है।
3. भारत को अपनी कूटनीति और रणनीति को इस यथार्थ के आलोक में पुनः परिभाषित करना होगा।
4. भारत को अब पश्चिमी एरिया के देशों से मिले समर्थन को और भी गहरा करना होगा।
5. पुराने साम्राज्यवादी देशों से समर्थन की अपेक्षा छोड़कर, भारत को अपनी कूटनीति, रणनीति और सुरक्षा नीतियों को आत्मनिर्भरता के सिद्धांत पर आधारित करना चाहिए।
6. दोनों देशों को युद्ध से बचने की कोशिश करनी चाहिए क्योंकि इससे क्षेत्र में अस्थिरता और आर्थिक नुकसान होगा।
7. दोनों पक्षों को इस बात से सावधान रहना चाहिए कि चरमपंथी हमले सैन्य जवाबी कार्रवाई या अमेरिकी प्रतिबंधों को आमंत्रित कर सकते हैं।
8. दोनों देशों को विभिन्न स्तरों पर लगातार और ईमानदारी से वार्ता करने की आवश्यकता है तथा आतंकवाद, कश्मीर और व्यापार जैसे मुख्य मुद्दों को रचनात्मक तरीके से संबोधित करना चाहिए।
9. सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान–प्रदान, खेल कूटनीति और पर्यटन को बढ़ावा देने से दोनों देशों के लोगों के बीच विश्वास का निर्माण हो सकता है और गहरी दुश्मनी कम हो सकती है।
10. भारत और पाकिस्तान दोनों देशों को आपसी दूरी को कम करने के लिए विश्वास निर्माण के उपाय करना चाहिए।

lnHk lkr &

1. मिश्रा, राजेश (2019), ''राजनीति विज्ञान (एक समग्र अध्ययन)'', प्रवालिका पब्लिकेशन्स, इलाहाबाद, पृ0 460–461
2. सिंह, नन्दन (2023), ''भारत–पाक संबंधों में कश्मीर समस्या का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन'', वाल्यूम– 2, पृ0 708
3. पाटिल, समीर (30 जुलाई 2023), ''भारत–पाक संबंध : पाकिस्तान की भारत विरोधी सुरक्षा रणनीति से कैसे निपटें'' ; Observer Research foundation
4. वाजपेयी, अम्बा शंकर (25 सितम्बर, 2016), ''भारत–पाक संबंध : दोस्ती की विफल कोशिशों के 70 साल'', प्रभात खबर, नई दिल्ली।
5. अवस्थी, विवेक (2025), ''क्या है शिमला समझौता जिसे पाकिस्तान ने रद्द किया, एलओसी पर इसका क्या होगा असर? जनसत्ता, नई दिल्ली।
6. वाजपेयी, अम्बा शंकर (25 सितम्बर, 2016), ''भारत–पाक संबंध : दोस्ती की विफल कोशिशों के 70 साल, प्रभात खबर नई दिल्ली।
7. मिश्रा, राजेश (2019), ''राजनीति विज्ञान (एक समग्र अध्ययन)'', प्रवालिका पब्लिकेशन्स, इलाहाबाद, पृ0 464–466.
8. डॉ0 फड़िया, बी.एल. (2012), ''राजनीति विज्ञान'' साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा, पृ0 668
9. पाटिल, समीर (30 जुलाई 2023), ''भारत–पाक संबंध : पाकिस्तान की भारत विरोधी सुरक्षा रणनीति से कैसे निपटें'' ;Observer Research foundation
10. वाधिराम एवं रवि (7 मई, 2025), ''भारत–पाकिस्तान संबंध, इतिहास, आतंकवाद, ऑपरेशन सिन्दूर

IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429

Volume 5, Issue 1, September 2025

Impact Factor: 7.67

11. सिंह, विवेक (23 अप्रैल, 2025), ''भारत और पाकिस्तान क्या युद्ध की ओर बढ़ रहे, पहलगाम में बर्बर आतंकी हमले के बाद आगे क्या? नवभारत टाइम्स

12. सिंह, जयदेव (23 अप्रैल 2025), ''पहलगाम आतंकी हमले की पूरी कहानी : 26 लोगों की हत्या का मास्टरमाइंड कौन क्यों चुना ये वक्त?, अमर उजाला, नई दिल्ली

13. 2025 पहलगाम हमला– en.m. wikipedia.org

14. कुमार, राहुल (22 अप्रैल, 2025), ''पहलगाम में आतंकियों की कायराना हरकत'', अमर उजाला, नई दिल्ली।

15. श्रीवास्तव, श्रुति (7 मई, 2025), ''क्या है ऑपरेशन सिंदूर जिसने उड़ाए पाकिस्तान के होश;, जनसत्ता, नई दिल्ली।

16. कुमार, अंजन (8 मई, 2025), ''ऑपरेशन सिंदूर में 'Sindoor' का असलम मतलब क्या है, इसके पीछे की सोच से हिल जाएगा पाकिस्तान, थर, थर कांपेंगे आतंकी, नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली।

17. वाघिराव एवं रवि (2025), भारत–पाकिस्तान संबंध, इतिहास, आतंकवाद, ऑपरेशन सिंदूर

18. दीक्षित, अभिषेक (15 मई, 2025), ''भारत की जीत ने चौंकाया, उसने दुनिया की परवाह नहीं की।

19. नृप, नृपेन्द्र अभिषेक (2025), ''ऑपरेशन सिंदूर और भारत की बदलती कूटनीति, रविवार पत्रिका लेख, नई दिल्ली।

******